कार्यवाही विवरण

M/s Seeta Energen Private Limited, Village-Khamhardih, Tehsil-Pathariya, District-Mungeli (C.G.) expansion of existing plant through establishment of DRI kilns (Sponge Iron- 4,29,000 TPA), Induction Furnace with LRF & CCM (Billets/Ingots)-3,96,000 TPA, WHRB Based Power Plant 2x15 MW, CFBC Based Power Plant 1x10 MW, Fly Ash Bricks-346 TPD in the existing 7.5 MW Biomass Based Power Plant के **पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् दिनांक 11/09/2024 को समय 11:00 बजे, स्थान–प्राथमिक शाला भवन, खम्हारडीह, तहसील–सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)** में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के तहत् सर्वसंबंधित को सूचित किया गया है कि M/s Seeta Energen Private Limited, Village-Khamhardih, Tehsil-Pathariya, District-Mungeli (C.G.) expansion of existing plant through establishment of DRI kilns (Sponge Iron-4,29,000 TPA), Induction Furnace with LRF & CCM (Billets/Ingots)-3,96,000 TPA, WHRB Based Power Plant 2x15 MW, CFBC Based Power Plant 1x10 MW, Fly Ash Bricks-346 TPD in the existing 7.5 MW Biomass Based Power Plant के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिप्रेक्ष्य में **स्थानीय समाचार पत्र नई दुनिया, बिलासपुर में दिनांक 09/08/2024 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र फायनेंशियल एक्सप्रेस, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 09/08/2024 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी।** तद्नुसार लोक सुनवाई **दिनांक 11/09/2024 को समय 11:00 बजे, स्थान–प्राथमिक शाला भवन, खम्हारडीह, तहसील–सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)** में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु **कार्यालय कलेक्टर मुंगेली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत मुंगेली, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पथरिया, जिला–मुंगेली, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मुंगेली,** क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यालय, नगर पंचायत–सरगांव, जिला–मुंगेली सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत–खम्हारडीह, रामबोड़, अण्डा, टिकैतपेण्ड्री, मोहदा, धमनी, ककेड़ी, तहसील–पथरिया, जिला–मुंगेली (छ.ग.),** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं

जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 05 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 11/09/2024 को समय 11:00 बजे, स्थान–प्राथमिक शाला भवन, खम्हारडीह, तहसील–सरगांव, जिला–मुंगेली (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्रीमती निष्ठा पाण्डेय, अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्री मनीष जायसवाल, सहायक अभियंता, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से पर्यावरण सलाहकार **श्री राम सुशील मिश्रा, परिवेश इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग सर्विसेज, लखनऊ (उ.प्र.)** के द्वारा M/s Seeta Energen Private Limited, Village-Khamhardih, Tehsil-Pathariya, District-Mungeli (C.G.) expansion of existing plant through establishment of DRI kilns (Sponge Iron- 4,29,000 TPA), Induction Furnace with LRF & CCM (Billets/Ingots)-3,96,000 TPA, WHRB Based Power Plant 2x15 MW, CFBC Based Power Plant 1x10 MW, Fly Ash Bricks-346 TPD in the existing 7.5 MW Biomass Based Power Plant के परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री परस शर्मा, ग्राम–रामबोर्ड** :– प्लांट खुल रहा है, पिछले बार भी आश्वासन दिये थे, लिखित में दिया जाये। जितना भी प्लांट से धुंआ निकल रहा है, प्रदूषित हो रहा है, प्लांट खुले हमको कोई तकलीफ नहीं, उद्योग लगे बच्चो को रोजगार मिलेगा, काम मिलेंगा, हमारे लिए अच्छा हैं। उसके साथ–साथ सड़क, बिजली, पानी इसकी व्यवस्था करना है किसकी जवाबदारी है भाई। रही बात पर्यावरण, तो सभी लोग देख रहे है पर्यावरण ठीक रखेंगे। सडक किनारे क्या हो रहा है बरसात में आदमी चल नहीं पाते है। ये सब व्यवस्था करना भी प्लांट वालो का जिम्मेदारी है। शुद्व पेयजल नहीं मिल रहा है हमको, गांव के बच्चे बेरोजगार है। प्लांट में बच्चो को रोजगार मिलेगा। प्लांट खुलने में बच्चो को रोजगार मिलेगा। इससे हमको कोई प्रॉब्लम नहीं है। हमको इससे कोई आपत्ति नहीं है।

2. **श्री हिमकेश्वर कौशिक, ग्राम–अण्डा** :– हमारे क्षेत्र में जो प्लांट बन रहा है। ये दुखदाई प्लांट बनना नहीं चाहिए। कृपया करके ध्यान दीजियेगा अधिकारीगण। अभी देख लिजीयेगा राधा माधव में इतना डस्ट उडता है। अभी आप लोग आये है तो चिमनी को बंद कर दिया है। बिल्कुल धुआं नहीं निकल रहा है, कुसुम का भी ये ही हाल है। इतना डस्ट उडता है कि पूरा तालाब प्रदूषित हो जाता है। नये आदमी को नौकरी देने में हिचकिचाता है। हम जितने लोग अवागमन करते है पूरा रोड़ इतना गड्डा है कि कभी भी एक्सीडेंट हो सकता है। स्थानीय लोगों से अभद्र व्यवहार करता है, अभद्र। जाओंगे फैक्ट्री मे तो अभद्र व्यवहार करता है। बिल्कुल प्लांट इस एरिया में होना नहीं चाहिए और जो भी बना है प्लांट उसको उखाड़ कर औद्योगिक क्षेत्र में लगना चाहिए। ताली बजाओ भाई जितने भी मेरे समर्थक है। ये जितना प्लांट बना है उखडना चाहिए। मानता हूॅ सीता एनर्जी प्लांट का क्रेडीट इतना है कि आज इसका स्टील प्लांट है तो बेचारा फंस गया है, वो जाल में। उसके अपने पॉवर प्लांट में इतना सफाई पूर्वक काम रखा, पॉवर प्लांट में भाई, जिसका नकल वो भी मारेगा। पॉवर प्लांट का सफाई इतना है कि पूछो मत। सेफ्टी बढिया है इसका काम करने का तरीका अच्छा है। अभी स्टील प्लांट डाल रहा है वही हाल होगा कुसुम का और राधा माधव का। मेरा सहमत है कि बिल्कुल मेरा प्लांट नहीं होना चाहिए। ये जो प्लांट बना है इसको औद्योगिक क्षेत्र में लगना चाहिए। आप लोग को बता दू सर, छत्तीसगढ़ीया आदमी को हीन दृष्टि से देखता है। ये प्लांट में लगा है, तो हीन दृष्टि से देखते है जितने भी प्लांट में लगे है, कौन छत्तीसगढ़िया में कलाकारी नहीं है, झूठ बोल रहा हूॅ, आईटीआई वेल्डर हूॅ, मैं फीटर हूॅ ,मेरे साथ जितने भी आदमी है वो सब टेक्नीशियन से भरे–पढ़े है उसको काम मिलेगा पर सही मजदूरी नहीं देता है। जब भी जन सुनवाई होता है, तो आप

लोगों को बता दे रहा हूॅ, पहले पहले पैसा वितरण कर दिया जाता है। प्लांट में रोजगार मिले। सुनने में आया है, दो–दो बार हो गया। पैसा में ब्रिक्री मत हो पूरा खेती बर्बाद हा रहा है। तालाब में जा रहे है नहाने पूरा बर्बाद हो रहा है। ये प्लांट अगर लग गया तो हम लोग महाआंदोलन करेंगे। यहां आये हुए समस्त अधिकारीगणों से निवेदन है कि कृपया करके टाईम मिले तो आप कुसुम प्लांट के नजदीक जाईये व राधा माधव प्लांट के नजदीक जाईये। ऐसा लग रहा है कि इनका प्लांट चालू नहीं है, बिल्कुल हल्का–हल्का धुआं निकल रहा हैं ये जो कुसुम प्लांट बना है न ये अपना ईएसपी का उपयोग भी नहीं करता है। चिमनी से डस्ट जाता ही नहीं है, डस्ट नहीं जा रहा है अभी एक हफ्ता से चिमनी चला नहीं रहा है। बिल्कुल नहीं चलाता है। रात में इतना तेज से चलायेगा कि क्षेत्र में पूरा फर्क पढ जाता है। मेरा सहमत ये है कि इनका पूरा प्रदूषण बंद करो या प्लांट को दूसरे जगह औद्योगिक क्षेत्र सिलपहरी तरफ भेज दो।

3. **श्री दुष्यंत कौशिक, ग्राम–अण्डा** :– प्लांट खुलने के विरोध या फिर उसके न खुलने के विरोध में बात ही नहीं है मैम। सबसे बडा समस्या क्या है यहां जो बोले दादाजी वो बोले कि छत्तीसगढी को हिनता दृष्टि से देखा जाता है। छत्तीसगढ़ी का विरोध हो रहा है हम लोग के नौकरी के लिए, मेरा पोस्ट ग्रेजुवेट है फिजिक्स में लेकिन कभी ऐसा नहीं आता है कि क्षेत्रीय आदमी को इतना ऊपर लाया जाये कि ऐसा काम ही नहीं होता। आज वो बोल रहे है कि प्लांट खुलना चाहिए, कि नहीं खुलना चाहिए। मैं बोलना ही नहीं चाहता कि प्लांट खुले कि न खुले। मेरे कहने से या मेरे कागज दे देने से खुलेगा या नहीं खुलेगा वाली बात ही नहीं है। उसको खोलना रहेगा तो उसको जबरदस्ती अधिकारी लोग जबरदस्ती खोलवा लेंगे, या शासन–प्रशासन खुलवा लेगा। मेरे एक के राय देने से या दो चार के राय देने से नहीं। उग्र आंदोलन होगा तभी उसका विस्तारीकरण से रोक लगेगा, यहां पर 100 से 150 गाड़ी 10 बजे सुबह से निकल जाता है। आज आप आये है तो एक भी गाड़ी नहीं चल रहा है। वो चिमनी का बात है तो वो 365 दिन–रात चिमनी चलता रहता है, चलते ही रहता है। आप देखते तो ये गावं का रोड बन जाता। प्लांट का डस्ट डाल देंगे, उसका पटाव कर देंगे उसके बाद उसका गाड़ी चलता है, किसका प्लांटो का, किसानो के लिए उनका गाड़ी निकल जाये ये स्थिति नहीं है, ट्रेक्टर वाले समान भरकर लायेंगे तो गाडी नहीं निकल पायेगा। ट्रक निकलता है आप आये होंगे तो रोड का व्यवस्था देखे होंगे। ये दुख है कि कहीं न कहीं मैं बिलासपुर में साइंस कॉलेज में पढाई किया हूॅ। जब गांव आता हूॅ तो दुर्भाग्य लगता है। बताने में शर्म लगता है कि इस कदर का रोड़ है कि इनको बताऊ कैसे, ऐसा स्थिति है

कि प्लांट खोलेंगे कि नहीं खोले विस्तारीकरण करेंगे ये आपके ऊपर है, आप क्या बोलते है गांव के लिए, गांव के लिए आपका व्यवहार कैसा है, आपका विचार कैसा है ये आप जानेंगे, ये मैं नहीं जान सकता। आप परमीशन देंगे तो खुलेगा, नहीं देंगे तो नहीं खुलेगा। शिक्षा, रोजगार, सड़क ये मूलभूत सुविधाएं है गांव का। हमारे गांव का कोई ऐसा सड़क नहीं है। आप यहां से रामबोड चले जाईये, अण्डा चले जाईये, पेण्ड्री चले जाईये, कहीं का रोड़ सही नहीं है मुख्यमार्ग है ये। इसमें बस चलता है कल 3 घंटे बस फंसा हुआ था। रामबोर्ड चौक से 4.30 बजे का टाईमिंग है जो कि यहां 6.30, 7.00 बजे पहुंचा है। आज आप आये है तो मैं एक भी ट्रक नहीं देखा हूॅ। यहां तक एक भी ट्रक नहीं है। आप चले जाईये उसके बाद सब ट्रक आ जायेगा। यहां बैठे है जो ये आपको नहीं बतायेंगे, प्लांट खुलना चाहिए कि नहीं सिफ विरोध करना है विरोध, विरोध करने से नहीं होगा मैम, आपको सबसे पहले रोड बनाना है तो रोड बनाईये, उसकी पूरी सुविधा करीये, उसके आने–जाने के लिए। क्या–क्या सुविधा है क्या–क्या आवश्यकता है प्लांट वालो की सड़क, पानी, उसका अपशिष्ट प्रदार्थ है, इसका व्यवस्था कर लीजिये। उसको परमीशन दे दीजिये कोई दिक्कत नहीं है। उचित प्रबंधन, उचित रख–रखाव होना चाहिए। जब जाके उसको परमीशन देना। आगे कुछ बोलना नहीं चाहता, आप देख लिजीये, आप की इच्छा। फिजिक्स में आगे पढाई कर रहा हूॅ।

4. **श्री ओमप्रकाश कौसले, ग्राम पंचायत धमनी सरपंच** :– हमारे यहां मेसर्स सीता एनर्जी प्रा. लि. डी.आर. आई. स्पंज आयरन 4,29,000 टन/वर्ष एल.आर.एफ. के इण्डस्क्शन फर्नेस डाल रहा है इसमें हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है। क्योंकि प्लांट लगने से आपत्ति नहीं है। हम लोग को बिजली पानी रोड चाहिए। स्कूल चाहिए प्लांट लगने से आपत्ति नहीं होगा। हमको हमारा रोड चाहिए, हमारा बिजली चाहिए, हमारा पानी चाहिए। आज हमारे गांव में लड़के लोग अशिक्षित हो रहे है। उसके लिए शिक्षित स्कूल चाहिए। प्लांट लगने से हमको आपत्ति नहीं है न होगा, बस हमारे बच्चे लोगों को रोजगार चाहिए। रोजगार अभी कुसुम खुला है तो कुसुम में मिला है। राधा माधव पॉवर प्लांट में मिला है, इसके लिए कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन हमारा आना–जाना हो रहा हैं, मनियारी से आते है तो रात में लाईट का अंधेरा हो जाता है इसके लिए लाईट की व्यवस्था किया जाये। हर गांव में लाईट का व्यवस्था किया जाये, ये रोड़ रास्ता बहुत जर्जर हो गया है। इसलिए मैं ये चाहता हूॅ कि प्लांट लगे, इससे हम लोगों को रोजगार मिलेगा। हमें कोई आपत्ति नहीं है।

5. **श्री प्रशांत शर्मा, ग्राम–खम्हारडीह** :– वर्तमान में रामबोड का उपसरपंच हूॅ पांवर प्लांट का सुनवाई अभी चालू है ये विस्तार करना चाह रहे है कि प्लांट बनाना चाह रहे है। मैं यह सोचता हूॅ कि पॉवर प्लांट सबसे पहले हमारे ग्राम–खम्हारडीह, रामबोड में दो प्लांट थे सीमेंट प्लांट, पॉवर प्लांट। जब से पॉवर प्लांट खुला है खम्हारडीह, रामबोड का कुछ भी हम लोग विकास का बात हो या समाजिक का बात हो, हम लोग इनसे निवेदन किये है, सहस स्वीकार किये हैं। चाहे आंगनबांडी में कुछ देना हो, चाहे प्राथमिक शाला में देना हो। खम्हारडीह का फर्नीचर हो, ड्रेस हो। उनके द्वारा सहीदा स्वीकार करके देते आ रहे है। कुछ भी बोलो सहयोग इनके द्वारा होता है। मैं ये प्लांट खुलने से बडा उत्साहित हूॅ। मैं ब्राम्हण हो के आशीवार्द दे रहा हूॅ कि दो–दो, चार–चार प्लांट और खुले, ये सीता एनर्जी वाला और प्लांट खुले। मेरे खम्हारडीह वाले को बहुत भरोसा है कि प्लांट खुले, मैं खुले तौर पर समर्थन करता हूॅ।

6. **श्रीमती अंजुला सिंह धुव, ग्राम–खम्हारडीह** :– बहुत छोटा है लेकिन बहुत अच्छा है, स्वर्ग कहां हैं तो खम्हारडीह में और मैं बहुत खुश हूॅ कि मेरे यहां प्लांट खुल रहा है। भैया ही है कुछ भी मांगना होता है तो कुछ बोलते है तो होता है काम हमारा, मैं बस आप लोगों से यही प्रार्थना करती हूॅ कि मेरे और भी बच्चे है जो बेरोजगार है। तो उनको कृपया करके काम दिजीये। चाहे ड्राईवर हो, चाहे मजदूर हो, जैसे–जैसे डिग्री है उनका उनको काम मिलना चाहिए। मेरे गांव के बच्चे जाते भी है उनसे ऐसा नहीं है कि उनसे व्यवहार गलत किया जाता है तो मैं यही उम्मीद करती हूॅ कि जो मेरे बच्चे है। उनको नौकरी दिया जाये।

7. **श्री मनोज कौशिक, ग्राम–धमनी उपसरपंच** :– इसके पहले जन सुनवाई में आया था कुसुम पॉवर प्लांट वाले ने, कुसुम पॉवर प्लांट वाले ने गांव के आदमी के लिए ऐसा गार्ड रखा है गेट में जो बॉऊंसर है। कोई भी चीज के लिए धार्मिक काम के लिए जाते है तो डायरेक्ट आपत्ति करता है। कोई मुलाकात कोई भेट नहीं। गुंडागर्दी कर रहा है, लोकल आदमी को जन सुनवाई में आप अभी सर्वे कर के देख लो। लोकल आदमी 20 प्रतिशत है, 80 प्रतिशत बाहर के आदमी रखे है। प्लांट के लिए आपत्ति नहीं कर रहा हूॅ। पहले गांव के लोगों को प्राथमिता दे, जन सुनवाई के लिए लोकल लोगों को प्राथमिकता मिलना चाहिए। लेकिन कोई प्राथमिकता नहीं मिलेगा। अभी प्रेम से भाईचारा से काम निपटायेगा। कार्यक्रम होने के बाद गुंडागर्दी में उतारू हो जाते है। आप अभी जा के देखो कुसुम प्लांट में पंचायत में बिना परमीशन के किसी के खेत में, किसी के घर के दरवाजे मे से निकाल रहे है।

आपत्ति है मैं यहां आवेदन नहीं दूंगा, डायरेक्ट मंत्रालय में आवेदन दूंगा कुसुम प्लांट का, इसका कार्यवाही हर हालत में करूंगा। ग्राम पंचायत धमनी में एक रूपये के सहयोग राशि नहीं दिये है, न स्कूल के लिए दिये है न कुछ के लिए दिये है। खम्हारडीह पंचायत में बांटते है। धमनी में कुसुम इतना बडा प्लांट है एक रूपया का सहयोग राशि नहीं मिला है। आप लोग जाते हो तो इतना धुआं उडता है आपसे इतना सहयोग मांग रहा हूॅ कि आप जांच करो। इसको मंत्रालय तक लेकर जाउंगा। कुसुम प्लांट बहुत हाई प्रोफाईल है।

8. **श्री मनीष कौशिक, ग्राम–अण्डा** :– आज से बहुत पहले 40 साल के पहले 20 कि. मी. के एरिया में सिर्फ चार जगह था स्कूल और पोस्टाफीस था। आज के डेट में कहां–कहां स्कूल नहीं खुला है। लेकिन आज हमारे इस रास्ते का हाईवे से अण्डा जाना, रामबोड जाना, टिकैतपेण्ड्री जाना रोड़ इतना जर्जर है, ये प्लांट वाले लोग आपस के साथियों का साथ नहीं देते है। मैं भी तो 16 साल से पॉवर प्लांट में काम किया हूॅ एनटीपीस कोरबा सब जगह काम किया हूॅ। ये जैसा व्यवहार कर रहे है न बहुत गलत व्यवहार कर रहे है। रोड़ को देखते नहीं है कल ही परसो की बात है। मेरे यहां का लडका एक ऐसा गिरा था कि उसका पैर टूट गया है। ऐसा व्यव्हार है, ऐसा रोड हैं। इतना बडा प्लांट खडे कर रहे हो पहले रोड़ तो सुधारो, रोड बनाओ। मेरे बात में किसी को आपत्ति है तो मेरे को बोल दे। अगर गलत बोल रहा हूॅ तो मैं सभी से माफी मांगता हूॅ, कलेक्टर महोदया से भी माफी मांगता हूॅ, सभी से माफी मांगता हूॅ। अपना रोजगार है, जैसा भी है कृषि है, दो पैसा के लिए रोजगारी करें। करना है काम करना है, हमको सबको रोजगार ही चाहिए। पहले तो रोड रहे सही सलामत, हम लोग आ रहे है कही से, गिर गये, कुछ हो गया, क्या मतलब का। हम लोग आते है अण्डा से रोड़ इतना खराब है, आते है मनियारी से इतना रोड़ खराब है, मुंडी टूट गया, सर टूट गया, कुछ हो गया तो क्या करेंगे, प्लांट वाला हम लोग को दे देंगे। कुछ दे देता है प्लांट वाला, मैं भी इतने बड़े–बड़े प्लांट में काम किया हूॅ, ये छोटा प्लांट है। इससे बड़ा प्लांट में काम किये हैं लेकिन यहां के लोग जमीन दिये है तो समझ में नहीं आता कि बोले क्यू नहीं है। यहां के लोग जमीन को नहीं दिये है तो बोले क्यू नहीं है। ये मेरे को समझ में नहीं आता ये बोलना था कि हमको मुआवजा दो, हमको सर्विस में रखो। यहां के लोग बोल नहीं सके यहां के लोग। एनटीपीसी में मुआवजा लिये अपना डयूटी लिये अपना, आज भी ड्यूटी कर रहे है। लेकिन यहां के लोकल लोग धमनी है, खम्हारडीह है जमीन दे दिये, पैसा ले लिये छुट्टी, और नौकरी के लिए दर–दर भटक रहे है, कुछ नहीं। जो जमीन दिये उनका है। क्यों गलत बोल रहा हूॅ बताओ आप लोग। आज देखो

सीपत एनटीपीसी में सही बात बोल रहा हूॅ मैं वही जमीन में आपके बच्चे सर्विस करते। पूरा परिवार सही सलामत रहते। लेकिन क्या किये आप पैसा देखे नौकरी नहीं देखे। तो क्या किये पूरा बर्बादी किये। रोड़ का पूरा बर्बादी हो गया है। बनायेंगे–बनायेंगे बोलते है। कब बनेगा मरने के बाद, वहीं तो बोल रहा हूॅ खुल्ला बोर रहा हूॅ। मरने वाला मरेगा उसी में रोड़ का लेबल होगा। आप लोग को अच्छा लग रहा होगा कुसुम प्लांट हो और कोई प्लांट हो, अच्छा लग रहा होगा तो बात में समर्थन कीजिएगा।

9. **श्री अनुराग तिवारी** :– मुझे सीता एनर्जी पॉवर प्लांट में मेरे को रोजगार मिला हुआ है। पावर प्लांट के खुलने से मेरे को कोई आपत्ति नहीं है, लोकल बेरोजगारो को रोजगार मिलना चाहिए। सड़क, पानी, बिजली की व्यवस्था करवानी चाहिए।

10. **श्री बलराम, ग्राम–खम्हारडीह** :– पॉवर प्लांट खुलने से कोई आपत्ति नहीं है मैं ये चाह रहा हूॅ कि हमारे खम्हारडीह से हर घर–घर से एक लोग को नौकरी मिलना चाहिए। ये रोड़ को बनाने का प्रयास करे। घर से जो काम में जा रहे है उनके घर वाले को उसको देखना चाहिए।

11. **श्री प्रमोद कुमार ध्रुव, ग्राम–खम्हारडीह** :– मेरा मांग है जो लोकल खम्हारडीह के गांव वालो को कंपनी में रखना चाहिए। सड़क में हर घंटा पानी जल का छिचाई किया जाना चाहिए। तीसरा है गांव के आदमी को योग्यता अनुसार काम में रखा जाना चाहिए। चौथा किसी भी व्यक्ति का तबियत खराब होता है तो एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाये। पिछले साल हम लोग प्लांट में एंबुलेंस के लिए फोन लगाये थे तो उसके द्वारा ड्राईवर नहीं मिला, इसी कारण नाईट में उसी दिन उस सदस्य का मृत्यु हो गया। पांचवा मंदिर का निर्माण किया जाये व मंदिर में टाईल्स के कार्यो के साथ। छठवां गांव में जो भी कार्य किया जाये जिसमें सहयोग की राशि प्लांट के तरफ से दिया जाये। गांव में ट्रांसफार्मर की व्यवस्था किया जाये। ग्राम में हमारे 33 केवीए का ट्रांसफार्मर प्लांट वालो को तरफ से सुविधा दिया जाये, वृक्षारोपण कम से कम 4000 नग किया जाये। प्लांट बनने में बहुत सारा पेड कट जायेगा। नदी से पानी आने वाला प्लांट को सही पानी मिलना चाहिए। लोकल आदमी को काम में नहीं रखा जाता क्योंकि जरूवत नहीं है और बाहर के आदमीयों को रख लिया जाता है। रियल प्लांट में दुर्घटना हुआ था 5–6 दिन पहले, जिसमें 5 उंगली कट गया है। उसको भी एंबुलेंस की जरीये नहीं ले गया था, गाड़ी में ले गया था। 33 केवीए में ड्राईव्हर जल गया था, उसमें भी पिकअप गाड़ी में बैठाकर ले जाया गया

था। प्लांट में लेबर जल गया था उसको भी पिकअप गाड़ी में डालकर ले गया था। यदि प्लांट शुरू हो रही है तो चक्काजाम एवं धरना प्रदर्शन किया जायेगा। यह सभी ग्रामवासी को लिखित में चाहिए कि हर बार जन सुनवाई में धोखा–धड़ी होता है हमारे साथ।

12. **श्री पुनीतराम साहू, रामबोड वार्ड 8 पंच** :– यहां प्लांट खुल रहा है हम लोगों को कोई दिक्कत नहीं है। यहां पर रोड़, बिजली और पानी का व्यवस्था ढंग से किया जाये।

13. **श्री ओम प्रकाश लहरे, ग्राम–टिकैतपेण्ड्री** :– ये 3–4 किलोमीटर में है। प्लांट खुलने से इससे जो धुआं निकलेगा। अभी जो वर्तमान में यहां प्लांट लगा है, या स्थापित है उसके धुंआ से देख सकते है, मेरा वहां पर बगल में प्लाट है। मैं खेती किसानी करता हूॅ। खेती किसानी के अलावा सब्जी–भाजी, अनाज से अगर कोई पहली प्राथमिकता है तो वो बिजली से ज्यादा अनाज का है। अनाज का हाल ऐसा हो गया है कि जब हम धान को मंडी में बेचने के लिए जाते है। तो हमारे धान को कहते है कि तुम्हारा धान खराब है। ये प्लांट का रोड़ खराब है और आने–जाने वाले प्लांट में मारपीट, गुंडागर्दी करते है। रास्ता मे खड़े होकर देखोगे तो ट्रक ड्राईवर लोग गाड़ी खडा कर देते है कही काम में जाना है तो कही किसी को ड्यूटी में जाना है। कहीं अलग से जाना है अभी ऐसा हो गया है कि वहां पर मेरा आम का फल है वो जब फल लगता है तो खाने के लाईक नहीं रहता वो फल इतना काला–काला रच जाता है, वो पूरा केमिकल है। शरीर को घाटा के अलावा कुछ नहीं करेगा। इतना बोलना चाहता हूॅ कि सबसे पहले प्राथमिकता देना अनाज को, फल को, फूल को, जो शरीर के लिए जरूरी चीज है वो चीज को पहले प्राथमिकता दिया जाये। इसका उचित व्यवस्था किया जाये, फल, फूल, अनाज जो किसान का जो भी लगा रहा है। कोई खराब नहीं होना चाहिए। बिजली के साथ–साथ आवश्यकता पहली प्राथमिता अनाज भी है। अनाज में विशेष ध्यान दिया जाये।

14. **श्री दीपक कुमार कौशिक, ग्राम–अण्डा** :– बहुत अच्छा बात बोले है। सरना और महामाया बेचने जाते है तो सरना है कि महामया, ये दिक्कत आ गया है। कपड़ा सूखाते है आंगन में कपड़ा सुखाते नहीं बनता है। कपड़ा पीला या काला दिखता है। फैक्ट्री खुलवा रहे है बहुत दिक्कत करवा रहे है। मैं पर्सनल और मेरे गांव के लोग लिखित में दिये है। फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। जितना फैक्ट्री खुलेगा उतना

ही हम लोग परेशान हो गये है ये फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। अगर फैक्ट्री खुलने से अगर फायदा होता है कोई अधिकारी या कर्मचारी बताये। प्लांट फैक्ट्री खुलने से क्या फायदा है। हम लोग किसान आदमी है हम लोगों को खेती करना है। खेती करने के लिए अच्छे वातावरण की आवश्यकता पडता है, आप तो पढे लिखे हो हम लोग तो किसान है। मैं बार–बार बोल रहा हूॅ कि फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। इससे आवागमन का बहुत दिक्कत है बार–बार बोल रहे है आदमी लोग। एक तरफ से गव्हरमेंट रोड़ बना रही थी बरसात में 3 फीट गड्डा हो गया है। पैदल चलने के लायक नहीं है रोड़, वो रोड़ में फैक्ट्री खोलोगे तो क्या हाल होगा। मैं आपसे कोस्चन कर रहा हॅू जितना पढे–लिखे आदमी होंगे। एक बार गाड़ी चला के देखो व गर्मी में कपडा कैसे दिखता है। बिना हेलमेंट, बिना मुंह में कपड़ा बांध के चल नहीं सकते हो। उसके बाद तुम लोग जन सुनवाई रखते हो। हर गांव में जन सुनवाई रखना चाहिए। पेण्ड्री, रामबोड, अण्डा में विचार कर रहे है हर गांव में रखना चाहिए। मैं बार–बार बोल रहा हूॅ फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

15. **श्री हेमप्रसाद वर्मा** :– आज की जन सुनवाई है सीता एनर्जी प्रा0 लि0 ये एक नया प्लांट डाल रहा है। पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई का कार्यक्रम है। प्लांट खुलने से गांव का हीत होता है बेरोजगारो को रोजगार मिलता है। प्लांट वाले को गांव का विकास कराने का नियम रहता है। गांव के विकास के अंतर्गत कई विकास कार्य आता है स्वास्थ्य है, शिक्षा, बेरोजगार को रोजगार का ये सारी चीज का व्यवस्था रहता है। है। हमारे पॉवर प्लांट जो नया प्लांट आ रहा है। हमारे गावं के विकास के लिए बहुत कुछ किये है। हमारे स्कूल के लिए भी बहुत कुछ किये है, ऐसा नहीं है कि नहीं किया है। बेरोजगारो को तो रोजगार दिलाये है लेकिन जो अन्य प्लांट है। उन लोग कुछ नहीं करते है। कुसुम प्लांट है, सीमेंट प्लांट है इन लोग तो कुछ करते ही नही है। कम से कम पॉवर प्लांट रोड का मरम्मत तो करते है स्कूल के लिए कुछ–कुछ देते है। अभी हमारे शाला खम्हारडीह स्कूल के बच्चो को बैग, जूता, मोजा, कापी, पुस्तक ये सारी चीज सब उपलब्ध कराये है पानी पीने का साफ नहीं है तो आरओ का मांग किये है, पानी पीने के लिए, दूसरा चीज गर्मी में बच्चो के लिए पंखा, कूलर का भी व्यवस्था किये है। मैदान का समतलीकरण, पेड़–पौधे हर साल स्कूल में पौधा रोपण किया जाता है। मैं ये नहीं कहता कि हर प्लांट एक है हर प्लांट जो विकास करता है। अभी तक मैं देखा हूॅ कि पॉवर प्लांट के सिवाय कोई प्लांट विकास नहीं करता है। हमारे जो सीता एनर्जी पॉवर प्लांट है। वो ही विकास करते रहता है बीच–बीच में मैं ये नहीं कहता रहूंगा कि आप सभी लोग सहमत हो, और नया प्लांट खोलवाओं करके। मेरे राय से जो प्लांट

विकास कर रहा है, पर्यावरण की जो रक्षा कर रहा है, प्रदूषण की रोकथाम कर रहा है उस प्लांट को अगर अनुमति देना चाह रहे हो तो उसको अनुमति देने में कोई हर्ज नहीं है।

16. **श्री केशव तिवारी, ग्राम–खम्हारडीह** :–पॉवर प्लांट खुलना चाहिए। इसमें कोई आपत्ति नहीं है। हम खम्हारडीह वाले को आपत्ति नहीं है। हम लोगों को कोई आपत्ति नहीं है।

17. **श्री गंगा प्रसाद कौशिक** :– मेरा दो जगह जमीन है। पेण्ड्री में, रामबोड में। मेरे को भरपूर आपत्ति है। जितका दाना पडना चाहिए उतका दाना नहीं आता है दूसरा बात ये भी है हम लोग धान को बेचने जाते है तो धान में खराबी आ जाता है। धान खरीदी नहीं करते है। धान रद्दी है तो नहीं खरीदते है। इससे हम प्रभावित हो रहे है तो ये फैक्ट्री से हम लोगों को क्या फायदा। इसके लिए मैं बार–बार विरोध करूंगा। हमारे यहां ये फैक्ट्री नहीं खुले। हम लोग मेहनत करते है तो क्या काम का फैक्ट्री। हम लोग का फायदा क्या हो रहा है। हम किसान आदमी को समझ नहीं पा रहे है। हम लोग करेंगे क्या, क्या हम लोग फैक्ट्री से फायदा पा रहे है। हम किसान आदमी क्या करेंगे हमारा धान नहीं बिकेगा तो हम लोग कहां जायेंगे। कलेक्टर के पास जायेंगे, एसडीएम के पास जायेंगे। हमारे रंग को खराब कर रहे है, इतना धुआं उठ रहा है। हम लोग का धान नहीं पक पा रहा है। इसलिए मैं बार–बार निवेदन कर रहा हूॅ कि ये फैक्ट्री बिल्कुल नहीं खुलना चाहिए।

18. **श्री नवीन शर्मा, ग्राम–रामबोड** :– ये पॉवर प्लांट में विस्तार हो रहा है, नया प्लांट लग रहा है। उससे हम लोग को कोई आपत्ति नहीं है। आज पॉवर प्लांट को लगभग 10 साल हो गया। धमनी, रामबोड, अण्डा, पेण्ड्री नवयुवक लोगों का बेरोजगारी को दूर कर चुके है। आज के डेट में पॉवर प्लांट के चलते कोई भी पलायन होने की स्थिति नहीं है। इसमें सब दुख–सुख में ये पॉवर प्लांट आगे खडे रहता है किसी का तबियत खराब हो, या चंदा के लिए हो, या मंदिर पूजा पाठ के लिए होये। हम लोग का मांगने से जितना जरूवत रहता है उससे ज्यादा मिल जाता है। ये प्लांट से मेरे को कोई आपत्ति नहीं है।

19. **श्री जीवन सिंह राजपूत, ग्राम–रामबोड** :– इतने लोग बोल–बोल के जा रहे है कोई गांरटी देंगे क्या अधिकारी लोग। स्टाम्प में जितना प्लांट वाले है लिख के देंगे क्या। जितना समस्या जनता लोग बता रहे है आज के बाद सब कागज को भूल

जायेंगे। हम लोग का कोई गारंटी है कि हम लोग जीयेंगे क्या। हमारे कहने से रूकेगा क्या प्लांट। कोई गारंटी होगा तो मैं बोलूंगा मेरे को इतना चाहिए कि प्लांट वाले अपने गाड़ी के लिए अलग से रोड़ बना ले। जनता के लिए रोड़ वापस कर दे। रात को रोज जाते है तो गाड़ी से गिर जाते है तो पैर टूट जाता है। अगले दिन हमारे भाई का आटो पल्टा है। प्लांट वाले अपना रोड़ बना ले, प्लांट उस रोड़ को छोड़ दे।

20. **श्री कौशल दुबे, ग्राम–खम्हारडीह आश्रम** :– सीता पॉवर प्लांट का विकास जो विकसित हो रहा है। आप सभी लोग आज यहां पर उपस्थित है। विकसित हो रहा है बहुत अच्छी बात है। लेकिन कुछ समस्याये भी है उस समस्याये का निदान भी हो, जिससे लोगों को परेशानी है उससे भी निदान होना चाहिए। विकास हो रहा है होना भी चाहिए, इससे यहां के लोगों को, ग्रामवासी को रोजागर मिल रहा है बाहर रोजगार के लिए नहीं जाना पड रहा है। गांव के पास में ही रोजगार प्राप्त हो रहा है बहुत अच्छी बात है। इतने लोगों ने कहां कि यहां की सडक की समस्या है इस पर आये दिन लोगों की दुर्घटना हो रही है। बडी–बडी गाडियां फैक्ट्रीयों की निकल रही है, जिससे सभी जनमानुस को नुकसान हो रहा है। बडी–बडी गाड़ियां निकलने के कारण बड़े–बड़े गड्डे हो गये है। हमेशा गड्डे भर दिये जाते है लेकिन ज्यादा दिन नहीं चलते है। इस समस्या का समाधान जरूर होना चाहिए। अगर ये समस्या का समाधान नहीं होता है ये सबसे दुख की बात है। इतने साल से ये खम्हारडीह नहीं आगे वाले गांव वाले का समस्याये है। इस पॉवर प्लांट का विकास हो रहा है बहुत खुशी की बात है। इससे प्रदूषण होगा उसका रोकथाम हो, नदी प्रदूषित होगा उसके लिए रोकथाम किया जाये। चाहे प्रशासन के द्वारा किया जाये या पॉवर प्लांट के द्वारा किया जाये, ये समाधान जरूर होना ही चाहिए।

21. **श्री अभिषेक शर्मा, ग्राम–खम्हारडीह** :– मैं बताना चाहूंगा कि पॉवर प्लांट तो एक पिक्चर बना के निकल गये है क्योकि इस पॉवर प्लांट से हमको क्या फर्क पडता है, क्या फर्क नहीं पड़ता है ये सब जानते है और उसको मैं भी जानता हूँ। आने वाले जो प्लांट बैठ रहा है। कौन सा ज्यादा से ज्यादा फायदा मिलेगा। विगत वर्षो से कुसुम प्लांट, वासुदेव प्लांट ये प्लांट ये समस्याएं है जो ज्यादा परेशानी बढाते जा रही है, आने वाले प्लांट बैठा रहे है उसमें हमको कोई आपत्ति नहीं है। व्यक्तिगत मेरा सहमति है।

22. **श्री सुशील कुमार सतनामी, ग्राम–मोहदी सरपंच** :– आज तक जितने भी प्लांट खुले है हमारे गांव को किसी भी स्तर से देखना चाहे तो किसी भी चीज में सहयोग नहीं मिला है। ग्राम पंचायत मोहदी में अभी जितने भी प्लांट खुला है। उसका प्रदूषण ग्राम पंचायत मोहदी एवं टिकतपेण्ड्री को मिलता है। आज ये सुरक्षा किस लिए लगाया गया हैं आप को कुछ भी होता है तो उसके लिए सुरक्षा है। उसी प्रकार से गांव वाले के लिए भी सुरक्षा होना चाहिए। जैसे रोड़ है, उसी प्रकार से देखना चाहिए। आप लोग आये है तो रोड़ को देखे जो कि मनियारी पुल से हमारे ग्राम मोहदी तक, हम किसी चीज के लिए सहयोग के लिए जाते है, तो इसमें मोहदी का कोई अधिकार नहीं है। आज तक हमारे मोहदी से किसी भी बेरोजगार को रोजगार नहीं मिला है। ये सीता पॉवर प्लांट खुल रहा है उससे अनुरोध करता हूॅ हमारे ग्राम–मोहदी से भी रोजगार के लिए बेरोजगार जो हमारे साथी है जैसी उनकी योग्यता अनुसार काम मिले, साथ में हमारे ग्राम–टिकेतपेण्ड्री से घटना घटा है, भाई अजय कोसले को बाहरी लोग मारपीट करके चले गये। उसके बाद हम लोग गये तो उसके पॉवर प्लांट वाला हम लोग का न फोन उठा रहे है न मालिक व जीएम का अता पता नहीं है हमको पता नहीं है कि कौन है। ऐसा स्थित नहीं होना चाहिए। जानकारी होना चाहिए आपके प्लांट में बाहरी लोग आकर मारपीट कर के चले गये है। स्थानीय लोगों का कोई महत्व नहीं है। हम उसका विरोध नहीं कर रहे है किसी भी प्लांट में बेरोजगारो लोगों को रोजगार मिलें। हमारे पंचायत को बिजली, पानी, शिक्षा जैसे भी है उसमें सहयोग मिले।

23. **श्री दिलीप सिहं अधिवक्ता, बिलासपुर** :– आज हम लोग लोक सुनवाई के नाम से उपस्थित है। खम्हारडीह, रामबोड पंचायत में जो आता है। अभी क्षेत्र में ये भाई लोग कह रहे है कि फैक्ट्री खुला है अभी 3–4 लोग को सहयोग नहीं कर रहे है, कोई काम नहीं दे रहे है। सड़क का स्थिति देखिये क्या है, बद से बत्तर है पैदल चलना मुश्किल है, ये स्थिति है 3, 4 फैक्ट्री है। इन लोग क्या मदद कर रहे है। पर्यावरण का और जो ग्रव्हरमेंट का नियम है उसमें क्या मदद कर रहे है, कुछ मदद नहीं कर रहे है बस अपने पाकिट को भर रहे है और 2–4 लोग क्षेत्र के खउवा आदमी है जो क्षेत्र के ठेकेदार बने है। इनका पाकिट को गरम कर रहे है। सरपंच की भाषा को सुन रहा हूॅ समझ रहा हूॅ। ये तीन फैक्ट्री है इसको भी बंद कराने के लिए हम लोग को आंदोलन करना पडेगा। इस क्षेत्र में कोई फैक्ट्री खुलने नहीं देंगे। बहुत सारे नियम है 10 कि.मी. के डिसटेंस में आता है जो कि बिलासपुर जिले में पड़ता है। महुदा, लटिया के उसके बाद पुरातत्व विभाग का ताल है जो कि 10 कि.मी. क्षेत्र से कम है। ये जो कंपनी के गाईड लाईन बहुत मुश्किल से

मिले है, कड़ी मेहनत करके मिला है। नियम ये है कि लोक सुनवाई के 1 महिना पहले सरल भाषा में आम पब्लिक को प्रोजेक्ट रिपोर्ट बताना है, नियम कानून है वो आम आदमी तक पहुचना है। सरल भाषा में उसको पंचायत के कार्यालय में रखना है। इस क्षेत्र के शासकीय कार्यालय में वहां उसको रखना है। मेरे को आखरी दिन बहुत मुश्किल से कुछ समय के लिए वो फाईल देखने के लिए मिला। उसमें बहुत सारा गलती है उसमें दगौरी की दूरी, रेल्वे स्टेशन की दूरी 10 कि.मी. का दायरा बता रहा है। 10 कि.मी. की दूरी में दगौरी की दूरी है और ताला को बता रहा है 10 कि.मी. से ज्यादा तुम लोग लोकल आदमी हो ताला नजदीक है, कि दगौरी। पुरातत्व विभाग के नदियां तीन–चार ठोक बता रहे है। आगर नदी, मनियारी उधर के जलाशय के दूरी सब एक बता रहा है। एक अंतर जिला पढता है। बिलासपुर जिले के कलेक्टर को खबर मिला है क्या, दो जिले में आ रहा है ये 10 कि. मी. का एयर डिस्टेंस। मुंगेली के प्रशासनिक अधिकारी लोक सुनवाई कर रहे है इसमें बिलासपुर जिले के प्रशासनिक अधिकारी की भी आवश्यकता है। नियम का पालन नहीं हो रहा है तो ये लोक सुनवाई निरस्त होना चाहिए, मेरा ये कहना है। इस क्षेत्र के आदमी लोग पशु–पक्षी लोग जीने के लिए मजबूर हो गये है। उनका स्वतंत्र अधिकार है। चिमनी स्पंज आयरन खुलेगा उसका धुंआ 20 कि.मी. तक होता है। 20 कि.मी. के दायरे में चिमनी से धुआं उठेगा। खेत खलिहान पूरा खराब हो रहा है। खेत के उपजाऊ पन पूरा नष्ट हो रहा है 20 कि.मी. में धुंआ छोडेंगे कंपनी उसका क्या व्यवस्था किया है। कोई ट्रांसपोर्ट नही है स्पंज आयरन में कोयला लगता है। कोल ट्रांसपोट में वो छोटे–छोटे उपकरण बना के देंगे उससे भंयकर धुआ निकलता है। कोयला का खपत होता है ज्यादा। भारी वाहन ये रोड़ में चलेगा। कोल ट्रांसपोर्ट ये तकलीफ की बात है। समाजिक दुष परिणाम बहुत सारा है, व्यक्ति मन के तबियत खराब होता है। दूसरा चीज पेड–पौधा, जीव–जन्तु नुकसान हो रहा है नदियां का पानी खराब हो रहा है। जन सुनवाई हुआ है नियम के पालन नहीं हुआ है। लोक सुनवाई का मैं विरोध कर रहा हूॅ। देश के तमाम स्पंज आयरन फैक्ट्री घाटा में चल रहे है, वो छत्तीसगढ़ के हो या भारत के हो। स्पंज आयरन फैक्ट्री घाटा में चल रहा है। स्पंज आयरन बंद कराने के लिए घाटा में चल रहा है काहे लिए ये ग्रव्हमेंट से अनुदान प्राप्त कर रहे है। स्पंज आयरन वाले लोग, ग्रव्हमेंट से छूट पाते है छूट जब तक फैक्ट्री चलेगा, उसके बाद ये सारा प्रदूषण की व्यवस्था को बंद कर देते हैं ज्यादा होता है तो कंपनी को नीलाम कर देते है साथियों लोग हमारे क्षेत्र के लोग नौकरी में रहते है, हमारे क्षेत्र के लोग बस मेहनत, मजदूरी करने के लिए है। मेहनत, मजदूरी करने के लिए कि झाड़ू पोछा लगाने के लिए रोजी में जायेगे। मैं नेतागिरी करने नहीं आया हूॅ, मेरे हद्य में दर्द है। पढा लिखा हूॅ कानून

को जानता हूॅ। मैं इस लिए आया हूॅ, हर गलत काम का विरोध करूंगा। हम घर से निकल गये है, सही काम करेंगे या सर में कफन बांध कर चलेंगे। मै पूरा विरोध कर रहा हूॅ सड़क सब चीज का स्थिति खराब है। कंपनी खुलने में भारी भयंकर नुकसान है, पर्यावरण प्रदूषित होगा, व्यक्ति को लाभ नहीं मिलेगा और ये बंद होना चाहिए। तमाम कंपनी को भी बंद करा दो, आंदोलन करेंगे।

24. **श्री रामेश्वर मेहर, ग्राम पंचायत सरपंच** :– मेरे ग्राम पंचायत में जब–जब प्लांट आता है। जिसमें सभी के तरफ से मेरे को सहयोग मिल रहा है, मेरे ग्राम पंचायत को। ये बात दुखी की बात है कि रोड़, पानी, लाईट का समस्या है, जो जनता का समस्या है, मेरा भी समस्या है। सीता एनर्जी से जो भी लाभ हमको मिल रहा है, कुसुम प्लांट से मिल रहा है, वासुदेव प्लांट से मिल रहा है। अधिराज से मिल रहा है सभी लोग सहयोग प्रदान कर रहे है। 75 प्रतिशत हमारे मजदूर भाईयों को काम में ले रहे है। मैं इसका पूरा समर्थन करता हूॅ मेरा गांव भी पूरा समर्थन करता है। किसी को कोई प्रकार से कोई आपत्ति नहीं है।

25. **श्री लॉरेंस मेहता, ग्राम–खम्हारडीह** :– मैं इतना भाषण सुन रहा था और नेताजी बोल रहे थे। ये सब बाता दे कानून पढे है कायदा पढे है सब बोलते है। सब रोड़ के बारे में बात कर रहे है, बोलते है। मैं पूछना चाह रहा हूॅ कि ये रोड़ पॉवर प्लांट बनाया है क्या? भाई जब आप कायदा कानून जान रहे हो, सब बात जान रहे हो। मैं माननीय नेताजी से पूछना चाह रहा हूॅ कि आप कभी पीडब्लूडी को लेटर लिखे हो क्या। नेता लिखे है तो आज तक निर्माण क्यो नहीं हुआ है। हम लोग खम्हारडीह वाले को लेटर लिखे है रियल पॉवर वाले को, ये सीता एनर्जी पॉवर प्लांट को जगह–जगह गड्डा को बोल्डर से पाटने का कम किया है, जो अभी चलने के लायक है। ये रीयल पॉवर की देन है जो खम्हारडीह का स्कूल फल–फूल रहा है। जो गांव का विकास हो रहा है, जहां गांव के युवक काम कर रहे है, जिसका आर्थिक स्थिति सुधारा है तो सिर्फ सीता एनर्जी पॉवर प्लांट कर रहा है। माननीय संयुक्त कलेक्टर महोदया मैं आपसे निवेदन कर रहा हूॅ ये बात को आप पी.डब्लू.डी विभाग के तरफ आप ध्यान दो, और ये बात को पहुचाओं। इससे हमको कोई आपत्ति नहीं है, छोटे–छोटे बच्चे और ये 10 गांव के रास्ता आने–जाने के लिए ये बात को आप पॉवर प्लांट से करवाओ या पी.डब्लू.डी. विभाग से करवाओ लेकिन रोड़ का काम तो होना चाहिए। इसमें सीता एनर्जी पॉवर प्लांट को खुलना चाहिए। ये हमारे सामने की बात है कि 10,000 रोजगार बच्चे लोग काम कर रहे है। हमारे स्कूल का विकास कर रहा हैं, खम्हारडीह साक्षात्कार गवाह है, रामबोड

साक्षात्कार गवाह है। यहां लड़के लोग का विकास कर रहा है, गांव का विकास कर रहा है। 2013 में सीएसआर में गठन के प्लांट के नियम के तहत् कौन सरपंच लोग मांग कर रहे है। सीएसआर मद में कहां–कहां, कितना–कितना खर्चा करना है। जो प्रतिनिधि बना है उसको ही मालूम नहीं है, जो प्रतिनिधि नहीं बना है उसको ही नियम मालूम नहीं है। क्या काम करेगा और क्या मांग करेगा। जो नियम है उस नियम के तहत् काम करोगे तो हम लोग को मालूम है हम सरपंच के तरफ से प्लांट से अनुरोध करते है। सीएसआर के तहत् 2 प्रतिशत से 4 प्रतिशत खर्चा करने का प्रावधान है। 50 हजार हमारे स्कूल को सीता एनर्जी ने सहयोग प्रदान किया है।

26. **श्री हीरालाल यादव, ग्राम–खम्हारडीह** :– यहां पर प्लांट खुल रहा है उससे मेरे को सख्त आपत्ति है। प्लांट के वजह से गांव का रोड़ बहुत खराब हो गया है। यहां से आने–जाने वाले है उनको गांव का तरक्की नहीं हो रहा है। बहुत दिक्कत हो रहा है। मैं पहले यही चाहूंगा कि रोड़ को सुधरवाये। यहां गांव के 10,000 लोग, मेरे को तो यहां पर 10 प्रतिशत लोग भी रोजगार नहीं दिये है। योग्यता के अनुसार रोजगार देना चाहिए। योग्यता के अनुसार एक बार मौका देना चाहिए न, उसके योग्य नहीं है तो निकाल दिया जाये। पहले मौका देना चाहिए और भी बोलूंगा कि प्लांट बनने के वजह से यहां आसपास धुल हो जाता है। यहां आदमी को घर से निकलने से इतना तकलीफ होता है कि सांस भी नहीं ले पाता है कि इतना धूल हो जाता है। कहीं भी जायेगा तो काम करने के लिए तो काम अधूरा ही छूठ जाता है उसकी वजह से जो समस्या का सामाधान हो तभी जन सुनवाई हो।

27. **श्री रोहित कुमार चक्रधारी, ग्राम–टिकैतपेण्ड्री सरपंच** :– यहां पर जितने लोग आये है सभी लोग अपना–अपना समस्या बता चुके है। उस समस्या का यहां पर समाधान होता है तभी प्लांट खुलना उचित है। सभी लोग अपने विचार विमर्श किये है। मैं चाहूंगा कि यहां आये अधिकारी को उसके विचार को अमल करने के बाद ही पॉवर प्लांट बनाया जाये। जब तक इसका सामधान नहीं होता तो इसका समर्थन नहीं करेंगे। समस्या का हल होगा तभी इसका समर्थन करेंगे।

28. **श्री नरेन्द्र सिंह ठाकुर, ग्राम–सरगांव** :– इस रोड़ में मेरा 25 साल से बस संचालन हो रही है। एक छोर से जिला मुख्यालय को टच करती है। हमारे को इतनी तकलीफ है। रोजी–रोटी हम निकाल लेते थे। हाईवे के आने के बाद हमारे रोजी–रोटी को पूरा मिस हो जाता है। हम अपनी कहीं गाड़ी को कव्हर नहीं कर पा रहे है। मैं ये कह रहा हूॅ कि इनकी गाड़ीयां बेतरतीब खड़ी हो जा रही है।

हमारे को किनारे करने में साईड करने में समय लग जा रहा है। रोड़ में पहुंचने के बाद हमारे साथ इतनी लडाई–झगड़ा होती है कि हम अपनी रोजी–रोटी कैसे चलाये। इनका काम तो चल रहा है, हमारा काम कैसे चलेगा, हमारा पेट कैसे चलेगा। कंपनी खोल रहे है ठीक बात है, फैक्ट्री डाले। बढ़िया बात है विकास का काम है लेकिन जब तक रोड़ का व्यवस्था दुरूस्त न हो इनको परमीशन न दिया जाये।

29. **श्री कैलाश सिंह ठाकुर, ग्राम–सरगांव** :–हमको मदद की जरूवत नहीं है। हमको हमारी अधिकार की जरूवत है। हमारा अधिकार यह है कि हम मुंगेली जिले में रामबोड, खम्हारडीह और धमनी में जो प्लांट लगा हुआ है। इसके हिसाब से हम मुंगेली जिले के कमाऊपुत है। हमारा जो संयुक्त गांव है वो कमाई पुत गांव है। मुंगेली जिले को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला ये क्षेत्र हैं हमको मदद की जरूवत नहीं है। हमको हमारी अधिकार की जरूवत है। आज रोड़ की जो दुर्दशा है सबसे राजस्व देने वाला ये क्षेत्र है। इस क्षेत्र का राजस्व जाता कहां है, जो हमारे क्षेत्र में नहीं लगता। आज रोड़ की दुर्दशा इतनी है कि हम पैदल नहीं चल पा रहे है। जो भी महाअनुभव आये थे यहां बोलने के लिए सबका विषय एक ही था रोड़, हम मदद नहीं मांगेंगे, ये हमारा अधिकार है। मुंगेली जिला का सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला क्षेत्र है। हमको हमारा अधिकार चाहिए, मदद नहीं चाहिए। इसलिए सरकार हमारा रोड़ को अच्छी तरीके से बनवाये। इसमें किसी भी जनता को असुविधा नहीं होना चाहिए। दूसरा विषय इसके पहले और भी जन सुनवाई हुई है उस जन सुनवाई में सबको कहा जाता था कि धुआं नहीं निकलेगा, आज उस धुएं से हम सब लोग परेशान है। मैं खेती करता हूॅ और उन्नत खेती करता हूॅ। उसमें मैं सब्जी, फलदार वृक्ष लगाता हूॅ उसमें हम पपीता को तोड़ने जाते है। तो हम लोग का हाथ पूरा काला हो जाता है हम केला तोड़ते है हमारा केला काला हो जाता है हमारा हाथ भी काला हो जाता है। मंडी में उसको बेच नहीं पा रहे है। जो प्लांट लग चुके है जैसे वासुदेव ट्रेडलिंक इतना धुआं छोड़ता है रात भर धुआं छोड़ता है और सुबह बंद हो जाता है वो धुआं। इस विषय पर पर्यावरण विभाग ध्यान दे। रात को भी धुआं छोड़ता है और दिन में भी छुट्टी के दिन भी इतना धुआं छोड़ता है कि आप देख नहीं पाओगे, बर्दास्त से बाहर है। आप कपड़ा सुखा लोगे तो कपड़ा काला हो जाता है। तो ये सब दिक्कते है। ये जो सीता एनर्जी प्लांट है उसमें हमको धुआं की तकलीफ नहीं हैं और सहयोग की भावनाएं है वो उनके अंदर है। गांव वाले जो सहयोग मांगते है या जो भागवत करावाता है, या गणेश चंदा, दुर्गा चंदा के लिए आते है तो उनका सम्मान किया जाता है। जो बात मेरी जानकारी में है वो बता

रहा हूॅ बाकी जो प्लांट है ये न तो रोड़ में ध्यान देते है। इनसे बात करने जाओ तो ये लड़ाई झगड़ा भी करते है। एक आदमी बता रहा था कि वासुदेव ट्रेडलिंक कंपनी में एक लोकल आदमी को बिहार से आया हुआ व्यक्ति मार मार के भागा दिया। उसके पैर टूट गये, उसके हाथ टूट गये और उसको सिम्स में ले जाकर पटक दिया गया। इसके ईलाज के लिए हम गांव भर के प्लांट से आये तब जाकर उसको प्राईवेट अस्पताल में भर्ती किया गया। ये सारी समस्या है इसका निदान हमको प्रशासन से चाहिए। ये आप की जवाबदारी है, हम आप से आग्रह करते है। ये संविधान आप लोग करें। भविष्य में यह प्लांट लगे तो मैं आशा करता हूॅ ये प्लांट सीता एनर्जी लगे तो इसमें विशेष धुआं का ध्यान रखा जाये और हमारी जनता है जनता जर्नादन उसको किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए। ये कहना गलत है कि लोकलो को नौकरी नहीं मिलती, लोकलो को नौकरी मिल रही है। जो जिस हिसाब से है। उस हिसाब से उनको नौकरियां मिल रही है। सभी प्लांटों में मिल रही है। अगर यह प्लांट सही–सही काम करेंगे। तो मैं इनका समर्थन करता हूॅ।

30. **श्री नरेन्द्र शर्मा, ग्राम–खम्हारडीह** :– हमारे गांव में शिविर लगा हुआ है जन सुनवाई, समस्या सब अपने हिसाब से बताये। समाधान भी होना चाहिए। कुछ ऐसा भी है अभी कैलास भाई बोल रहा है उससे किसान लोग को कोई फायदा नहीं है। उससे नुकसान है रात के इन लोग धुआं छोडते है और सुबह–सुबह बंद कर देते है। फसल के बारे में बोलते है वो भी बिल्कुल सही बोल रहे है। ये मांग रखे है कि हमारे यहां खुलना चाहिए, पॉवर प्लांट के बहुत बडे योगदान है। इसके लिए मैं इसका विरोध नहीं करता हूॅ। लगना चाहिए।

31. **श्री तीजराम लहरे, ग्राम–रामबोड** :– सीता एनर्जी प्राईवेट लिमिटेड प्लांट को लगे लगभग 19–20 साल हो गया। प्लांट से ग्रामवासियों को बहुत सहयोग व रोजगार मिला है। वासुदेव प्लांट, कुसुम प्लांट लगा उसके कारण प्रदूषण हुआ है। वैसी स्पंज आयरन लगेगा तो जनता विरोध करेगी। विरोध प्लांट का नहीं होता है। प्लांट गलत तरीके से चलाया जाता है तो उसके कारण होता है। अगर प्लांट को सही तरीके से चलाना नही है तो बंद कर दे। सिसटमेटीक तरीके से चलाये तो कोई विरोध नहीं है। उसमें सहमत है, अपने पंचायत में अगर प्लांट खुल रहा है तो उसमें इतना फायदा हो रहा है वहां से उनके गांव के लोग है उसका विकास करे, जो समस्या है प्लांट लगने से इतना सारी गाड़ी चलता है, हमारे गांव में पानी पीने लाईक नहीं है। प्रदूषण हो रहा है उसका व्यवस्था चिमनी के किल्न से निकलने

वाले धुएं का निराकरण हो, प्लांट लगाने में उसका विरोध नहीं है प्लांट को सही तरीके से चलाये।

32. **श्री कृष्ण कुमार लहरे, ग्राम–रामबोड** :– आज यहां पर जो सम्मेलन हुआ है, जो बात उठी है। वो सारे लोगों ने सुना व समझा। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि उस बात में प्रकाश डालूंगा कि हमारे गांव में जो पॉवर प्लांट खुलने जा रहा है, जो चल रहा है 20 वर्ष से बिजली उत्पादन हो रहा है हमारे गांववासियों को आसपास के गांववासियों को इसका कोई फायदा नहीं हो रहा है। यहां पे कोई फायदा नहीं हो रहा है, आये दिन लाईट की समस्या आ रही है साथ ही साथ जो प्रदूषण हो रहा है सभी को ऐसा लग रहा है कि सांस लेने पर सांस रूक जायेगा। ऐसा प्रतीत होता है जो छोटा–छोटा कंकण हवा के माध्यम हमारे सांस में हमारे शरीर के अंदर चला जाता है। इससे बहुत सारी समस्या बीमारियां आ रही है। इसका निराकरण प्लांट वाले करेंगे। आये हुए माननीय पदाधिकारी करेंगे। हम लोग ग्रामवासी अपने आधार व्यक्त कर सकते है और कुछ नहीं कर सकते। अगर कहीं बोलने जाये तो हमारी बातो का कोई वेल्यु नहीं रखा जायेगा। न ही हमारे बातो को सुना जायेगा। इसलिए आप सभी से अनुरोध करता हूँ। बातो को सुने उसका विश्लेषण करे। फिर आप निर्णय करें।

33. **श्री अजय सिंह ध्रुव, ग्राम–रामबोड** :– हमारे क्षेत्र में जो पॉवर प्लांट है सीता एनर्जी पॉवर प्लांट ये बहुत पुराना पॉवर प्लांट है आसपास व हमारे गांव में इनका सहयोग बहुत अच्छी तरह से हो रहा है। कुछ भी कार्यक्रम हो आवश्यकता पड़ता है तो आके हमारी मदद करते है चाहे समाजिक कार्य हो, खेलकूद हो, या किसी प्रकार का कार्य हो ये पॉवर प्लांट बनना चाहिए। मेरे तरफ से किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है।

34. **श्री नरेश ध्रुव, ग्राम–खम्हारडीह** :– प्लांट जो खुल रहा है। सीता एनर्जी रोड़ का सुविधा बहुत अच्छे से हो, क्योंकि आने जाने में बहुत परेशानी होता है बहुत प्रदूषण होता है। रात में कपडा सुखाते है तो सफेद कपड़ा काला हो जाता है। ये सब प्रदूषण से हमें बचाये और हमारा नदी नाला सब स्वच्छ रहें।

35. **श्री नरेन्द्र शर्मा, ग्राम–रामबोड** :– अभी फिलहाल 15 से 20 रोज के अंदर मैं खुद गाड़ी ड्राईव्हर था, अपनी मोटर साईकिल से मैं रास्ते से जा रहा था आश्रम से रामबोड को इतने में मेरे से गाड़ी संभल नहीं पाया। मेरे सामने से धूल भरी वाहन

से मेरे आंख में इतना धूल भर गया है कि मैं सामने से देख ही नहीं पाया, जिससे कि मेरे बच्चे के हाथ में फैक्चर हो गया। जिसका ईलाज मै मातृक छाया हास्पिटल सरगांव से कराया। मैं शिकायत भी नहीं किया किसी का वो प्लांट जिस गाड़ी में जाने वाला था मैं गाडी को आगे–पिछे किया तो वो गाड़ी पॉवर प्लांट रियल का था। रियल से मेरे को बहुत कुछ मिला था सबसे पहले नौकरी रियल में मैं काम कर रहा था। मैं अपना पहला कमाई जहां से लिया था वो प्लांट था रियल प्लांट इसलिए मैं रियल प्लांट का गाडी है तो मैं कुछ नहीं बोला। इतना अच्छा प्लांट था जिसका मैं आज भी प्रचार करता हूॅ। मैं अपने साथियों को बोलता हूॅ कि सबसे अच्छा प्लांट है तो वो रियल पॉवर प्लांट जो एनआरआई के नाम से चलता था अब वो रियल हो गया, अब वो सीता हो गया। उसमें मेरे को कोई तकलीफ नहीं हुआ जब अपने बच्चे का 17,000 रूपये भर के इलाई करावाया। फिर भी से मेरे को इस पॉवर प्लांट से कोई तकलीफ नहीं है। इसका मैं समर्थन करता हूॅ कि यहां पर प्लांट खुले। हमारे गांव में पॉवर प्लांट है, सब स्टेशन है, उसके बावजूद इतना लाईट बंद होता है कि मोबाईल भी चार्ज नहीं हो पाता है। हम चार्ज में लगाते है तो लाईट भी बंद हो जाता है। हमारे मोबाईल को रात–रात भर चार्ज लगाना पड़ता है। क्योंकि आज कल सभी काम ऑनलाईन से होता है। इससे हमको तकलीफ है। हमारे क्षेत्र पेण्ड्री में जीवो का टावर लगा है उस टावर को हमारे ग्राम–रामबोड, अण्डा, पेण्ड्री सभी जगह अंदर से केबल लगा के काम कर रहे है उन लोग खंभा लगा रहे है पाईप लगा रहे है। जिससे कि वो केबल कट चुका है। हम सामने में बैठकर देखे है कि खंभा था, 33 केवीए जो कि वासुदेव का खंभा आ रहा है। केबल कटा हमारे सामने में उनको बोला जब तक बनाओगे नही ंतो हम आपको खंभा खडा करने नहीं देंगे। क्या किया थोडी देर के बाद हम दुकान व्यवसाय वाले आदमी है। हम व्यवसाय में थे, तो हमारे सामने को नहीं करे। हम जब गये तो खंभा को खडा कर दिया। उस केबल को अभी तक जोडा नहीं गया है। जिसे कि 5 बजे के बाद हमारे आसपास के भाई लोग नेट का उपयोग नहीं कर सकते है। सभी लोग आज 5जी का जमाना है। ऐसा फास्ट चलते है कि हम लोग को चलने नहीं दे रहा है। क्योंकि नेटवर्क हमारा गायब है, प्लांट वाले से मेरा निवेदन है कि या आसपास गांव में एक नेटवर्क का स्थापन होना चाहिए। तीसरी बात हमारे गांव में पानी का समस्या ज्यादा है। पानी का समस्या इसलिए ज्यादा है कि हमारे गांव का पानी पूरा खारा है। खारा है तो पानी का जुगाड़ कहां से होगा। ये भी बडी बात है हम लोग हमारे विधायक महोदय से बोले हमारे गांव में पानी मनकूदीप से आने वाला है। कब आयेगा साहब ये भी पूछे तो बोले थोडे दिनों बाद आ जायेगा। आज लगभग–लगभग 5 साल हो गया है। पानी नहीं आया है तो वहीं पानी हम

लोग पी रहे है। उसमें अभी तीनों प्लांट कुसुम प्लांट, सीमेंट प्लांट, वासुदेव प्लांट ये तीनों मिलकर धुआं उड़ा रहे है, तो वो पानी हम लोग पी नहीं पा रहे है। अभी मैं अपने बच्चो एक्सीडेंट का मैं जिक्र कर रहा था उसका मैं कैल्शियम सर्टिफिकेट सब मैं रखा हूॅ। उसमें कैल्शियम का मात्रा 11 होना चाहिए, तो उसमें 8 है जिसका मैं ईलाज उदय हास्पिटल बिलासपुर में करवाया था। वहां पर मेरे को 20,000 से 25,000 वहां पर लगा। क्योंकि पानी दूषित था इसलिए मैं फोन करके वासुदेव वाले को बोला सर धुआं कम कीजिए, तो वो बोलता है तुम्हारे बोलने से थोडी होगा। क्योंकि हम अकेले बोल रहे है इसलिए आपके बोलने से थोडी होगा। हम जनता है अपना अधिकार मांग रहे है हम अपने मर्जी से नहीं बोल रहे है हम अपने अधिकार से बोल रहे है। हम लोग मुगेंली जिले के सबसे विकसित गांव रामबोड से हैं, इस पंचायत के रहने वाले है। वासुदेव प्लांट का धूल जो मेरा दुकान वहीं पर है वासुदेव प्लांट के सामने मैं रोज जो मैं खाद्य विभाग से लायसेंस लिया हूॅ उसके बावजूद मेरे दुकान में इतना धूल है कि मेरा समान एक्सपायरी होने से पहले मैं फेक देता हूॅ या वापस कर देता हूॅ। क्योंकि मेरे गांव के जितने आदमी है उसके सहयोग से मैं दुकान खोला हूॅ, अच्छा समान दूंगा धूल के कारण मैं समान अच्छे से नहीं बेच पा रहा हूॅ। जिससे मेरे को दुकान करने में बहुत तकलीफ जाता है। मेरा एक निवेदन है कि वासुदेव व कुसुम प्लांट का धुआं नियंत्रण करने की कष्ट करें।

36. **श्री आसुतोष पाण्डेय, ग्राम–ककेड़ी सरपंच प्रतिनिधि** :– यहां उपस्थिति जन संख्या की है इस 10 कि.मी. के रेडियस में यहां कितने गांव आते है, यहां की उपस्थिति कितनी है। यहां प्रचार–प्रसार हुआ नहीं है सरपंचो को पावती लेने आ गया। गांव वालो को इसका कोई सूचना नहीं है। ऐसी जन सुनवाई होगी क्या मैं इसका विरोध करता हूॅ। जनता को जानकारी नहीं है। ताला मंदिर 10 दगौरी क्षेत्र 8 कि.मी. में है। सही बात है उसके प्रोजेक्ट रिपोर्ट में लिखा है मैं देखे हव। ताला मंदिर यहां है कि दगौरी यहां है। ताला को दूर बता रहे है। गलत–गलत प्रोजक्ट रिपोट है जिसकी जानकारी क्षेत्र की जनता को मिली नहीं है। प्रचार–प्रसार का अभाव है मैं इसके विरोध में खडा हूॅ, इस प्लाट के, विरोध करता हूॅ ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए, जन सुनवाई सही तरीके से नहीं हो पाया है दुबारा जन सुनवाई हो आपसे अनुरोध है। धमनी, रामबोड, भखरीडीह, खम्हारडीह, सरपंच खडा है, उसको भी पता नहीं है। भखरीडीह, खम्हारडीह इतना वो है। हमारे सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि पार्टी को भी जानकारी नहीं है। तहसील ऑफिस में कोई सूचना नहीं है, एसडीएम साहब से जानकारी ली वो भी एक पत्ते में जानकारी दिलाये। हमारे जन प्रतिनिधियों की ये स्थिति है तो गांव की जनता को कोई जानकारी ही नहीं है। अचानक पता चला

कि 5 दिन पहले कि जन सुनवाई है। कैलाश भाई ने कहां चंदा मिलता है, चकोनी मिलता है। दुर्गा चंदा, गणेश चंदा वो सब मिलेगा। वो तो अधिकार है। कंपनी का प्लांट लग रहा है वो तो देना पडेगा हम लोग को, वो अहसान नहीं कर रहे है। पर्यावरण का संरक्षण करना पडेगा। ये केवल रामबोड, खम्हारडीह की समस्या नहीं है पूरा क्षेत्र प्रदूषित होगा, पूरा खेती किसानी प्रभावित होगा। कैलाश भाई का समर्थन करता हूॅ धुआं उडता है, काला–काला, तब भी खेती कर रहे है। अकेले इस प्लांट से नहीं हो रहा है दोनो तीनों प्लांटो से हो रहा है। क्षेत्र की जनता आपके विरोध मे है। सिखाये पढाये कर्मचारी को आकर समर्थन में बोल रहे है। मैं उनका विरोध करता हूॅ, ठेकेदार लोग बात कर रहे है। बाहर के आदमी समर्थन में बात कर रहे है आम जनता है कहां, आम जनता की आवाज उठाने वाले है कहां, इस प्लांट का हर हाल में विरोध करेंगे। न्यायालय तक जायेंगे। न्याय नहीं मिलेगा तो आंदोलन करने की तैयारी करेंगे। मैं समर्थन का पुरजोर विरोध करता हूॅ। नियम पालन से जन सुनवाई किया जाये। इसमें अधिक से अधिक जनता की भागीदारी हो। ठेकेदार व कंपनी की आदमी इसमे सम्मिलित न हो। ठीक बोल रहा हूॅ न भईया।

37. **श्री बृजेश शर्मा, ग्राम–रामबोड** :– ये क्षेत्र इण्डस्ट्रीयल एरिया घोषित होने इसमें दो–तीन प्लांट लगा है। गावं वाले को फायदा प्रत्येक्ष रूप से और अप्रत्येक्ष रूप से होगा। जमीन का रेट बड गया, रोजगार मिल रहा है बहुत सारा फायदा मिल रहा है। सबसे माईनस पाइंट है वो है रोड़ का जितने आदमी बोले है पक्ष मे बोले है विपक्ष में बोले है। सब लोग रोड़ के बारे में बोले है। ये सड़क बहुत खराब है, बहुत रददी है अगर किसी का तबियत खराब है और एम्बुलेंस से ले जाना है। वो जा नहीं पायेगा गाड़ी फंसे रहता है, आये दिन गाड़ी फंसा रहता है इसका जवाबदारी किसका है प्रशासन का है। प्लांट की गाड़ी चल रहा है। प्लांट वाले का टैक्स बन रहा है। गाड़ी वाला भी टैक्स भर रहा है और पास में ही टोल प्लाजा है। सबका टैक्स भर रहा है लेकिन प्रशासन एक बार ऐसा रोड़ बना दे जिसमें गाडी अराम से चले। कब से रोड बना है मेरे को नहीं मालूम लेकिन 8 से 10 साल से रोड़ नहीं बना है। प्रशासन एक बार मजबूती से रोड़ बना दे समस्या का निदान ऐसे ही मिल जायेगा। चौड़ा रोड़ बनाये, अच्छा रोड बनाये, टैक्स भी ले रहे है रोड़ भी जोरदार बनना चाहिए। रोड़ बनेगा तो आधा समस्या ऐसे ही खत्म हो जायेगा। बिजली, पानी गांव की समस्या बता रहे है। प्लांट के विस्तार में बढिया रोजागर मिलेगा। जो सीता एनर्जी का प्लांट है उसको जाकर देखो, और बाकी प्लांट को जाकर देखो। सीता एनर्जी प्लांट में बाहर से भी आदमी तकलीफ में जायेगा तो अंदर में ऐसा

बढिया गार्डन बनाया है ऐसे बढिया से पेड पौधा वातावरण अनुकुलित है। उसको देखोगे तो टेंशन में रहेगे तो गार्डन को देख के परिवर्तन हो जाता है और आये दिन पेड लगाने का काम भी चलता है, सहयोग भी मिलता है, बहुत लोग इसके बारे में बोले भी है। प्लांट लगाने में कोई आपत्ति नहीं है, विस्तार हो जिससे गांव के लोगों को रोजगार मिलेगा।

38. **श्री राजेश शर्मा, समाजसेवा** :– मैं लगातार 5 वर्षो से काम कर रहा हूॅ। यहां आज तक 5 साल में कितने भी जन सुनवाई हुआ है। जन सुनवाई करे कोई भी कंपनी करे। यहां वादा करके कोई भी आज तक पूरा नहीं करा है। 25 जन सनुवाई में मैं भाग लिया हूॅ हर जन सुनवाई में मैं उपस्थित रहता हूॅ। पिछे खडे रहता हूॅ या आगे खडा रहता है लेकिन हर जन सुनवाई में जितने अधिकारी वादा करते है वो वादा आज तक पूरा नहीं करते है। प्रशासन के दबाव में जन सुनवाई कराया जाता है। इतना फोर्स लगा कर रखा है हर आदमी से इतना जानकारी ले रहे है। 5 से 10 गांव के जनता गरीब को बुलाना चाहिए। यहां जानकारी नहीं है 10 गांव वालो को। जानकारी रहता नहीं है भाई लोग बता रहे है कि सरपंच, पंच को मालूम नहीं है। जनता को मालूम नहीं है तो काहे का जनसुनवाई है बताओ, पर्यावरण के बारे में अधिकारी ये बताये कि पर्यावरण के बारे में आप क्या जानकारी दे रहे हो। यहां पर 10 कि.मी. पर मंदिर आ रहा है बड़े–बड़े तालाब, नदी आ रहा है, पूरा वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जल प्रदूषित हो रहा है। ये पानी पीने से बहुत हानि हो रहा है। मस्तूरी क्षेत्र में वही हाल है, बेलतरा का वही हाल है। कोटा क्षेत्र में आंदोलन चलता है हजारो के क्षेत्र में महिला लोग बैठे है प्रदूषण को देखते हुए। हमारे बच्चे पढ़ने आ रहे है लेकिन रास्ता नहीं है 10 गांव में घूमघूम के देख रहा हूॅ कि हमारे क्षेत्र के नेता नहीं है वो उपस्थित नहीं है। जन प्रतिनिध सिर्फ वोट डालने जायेगे क्या। हम लोग हर 5 साल में वोट डालते आ रहे है, जनप्रतिनिधि उपस्थित नहीं है। जनता जनप्रतिनिधि को हम लोग काहे को चुने है। नेता काहे के लिए चुने है बताओ भईया। हमको लडना न पढे, आना न पढे, ये प्रतिनिधि लोग का काम है विरोध करना। प्रदूषण इतना हो रहा है कि आदमी बीमार पड रहे है। आज 50 साल से ज्यादा नहीं जी पा रहे है जो 100 साल तक जी रहे थे। आज तक जन सुनवाई का वादा कही पूरा नहीं हो रहा है। घुटकू, गनियारी, कोटा ये क्षेत्र में इतना प्रदूषण है कि मत पूछो। महिला लोग 5 दिन से धरना में बैठे है। बच्चे लोग पढने नहीं जा रहे है पूरा धूल–धक्कड, धुआं के कारण पड़ नहीं पा रहे है। आप सब को जागना है मैं पहली बार बोल रहा हूॅ। ज्यादा नहीं बोल सकता, पहली बार बोल रहा हूॅ मैं आपको जगाने आया हूॅ खुद क्षेत्र के विकस के लिए अपने क्षेत्र के प्रदूषण

को बचाने के लिए आने वाले समय में बहुत प्रदूषण होगा। ये जो वादा कर रहे है कंपनी पूरा झूठा है। ये जो जन सुनवाई हो रहा है इललीगल तरीका से हो रहा है। कोई भी जानकारी दिये है उसके वादा से मुकर कर जन सुनवाई कर रहे है। जो भी रिपोर्ट भेजे है रिपोर्ट के आधार पर कोई सही रिपोर्ट नहीं है, रिपोर्ट को पढकर देख लो। 5 साल हो गया हर जन सुनवाई में उपस्थित रहाता हूॅ। मस्तूरी क्षेत्र में गये थे इतना परेशान रहे थे कि जनता बोल नहीं पा रही थी। हमारे साथी लोग बोल नहीं पा रहे है। जनता को बोलने का अधिकार नहीं देंगे तो काहे का जन सुनवाई है। सबको आने का मौका देना चाहिए, बोलने का मौका देना चाहिए, कहीं रोक नहीं लगाना चाहिए। आप बोलेंगे नही ंतो क्या मतलब है जन सुनवाई का। कंपनी का बात मानेंगे कि जनता का बात मानेंगे। जनता का राज है कंपनी का राज नहीं है, जनता चाहेगा तो कंपनी नहीं चल सकेगा। विरोध है, विरोध हैं, कंपनी नहीं खुलना चाहिए। विरोध है।

39. **श्री योगेश साहू, जनपद सदस्य ग्राम–खरकेना** :– आज सीता एनर्जी प्रा0 लि0, ग्राम पंचायत खम्हरडीह में जन सुनवाई नियम विरूद्व हो रही है जो सभी व्यक्ताओं ने बोला है। जो कि भारत सरकार की उद्योग नीति 14 नवम्बर 2006 के अनुसार किसी भी उद्योग की वायु सीमा 10 कि.मी. की होती है, आने वाले 10 कि.मी. में होती है, चाहे नगर पंचायत हो या ग्राम पंचायत हो। सूचना उसको प्रदान की जाती है तथा वायु सीमा की दूरी 10 कि.मी. के अंतर सीमा, अंतर जिला जैसे हम लोग बिलासपुर जिला के बगल के गांव से, 10 कि.मी. में जन सुनवाई कराना सुनिश्चित होता है, जो कि हमारे द्वारा 10 कि.मी. को भी आपके द्वारा सूचित नहीं किया गया है। किन्तु यह उद्योग नीति का उल्लंघन है, मेसर्स सीता एनर्जी के द्वारा कन्सलटेन्स ने जो कि कंपनी से ईआईए की रिपोर्ट बनाई गई है इस ईआईए रिपोर्ट में टोपोसीट ही नहीं लगाया गया है, जिससे मेसर्स सीता एनर्जी खम्हारडीह मुंगेली के 10 कि.मी. के वायु सीमा में कितनी बसाहट व पुरातत्व जैसे ताला में मनकूदी है भुवनेश्वर देव है धौराभाटा के पास, किसी को जानकारी ही नहीं दी गई है तथा तालाब, कुएं, कृषि भूमि की सही जानकारी नहीं दी गई है। सभी जानकारी स्पष्ट नहीं की गई है, साक्ष्य छुपाने का अपराध किया गया है, जिससे अपराध पंजीबद्व करने की कार्यवाही बनती है। मेसर्स सीती एनर्जी खम्हारडीह मुंगेली के प्रस्तावित उद्योग स्थल जाने के लिए प्रधानमंत्री सड़क योजना उपयोग किया जाना प्रस्तावित है, जिसकी भार क्षमता 12 टन है किन्तु भारी वाहन आवाजाही 24 घंटे हो रही है। संबंधित कंसलटेंसी के द्वारा ईआईए रिपोर्ट में प्रधानमंत्री सड़क योजना में अनुमति पत्र संलग्न नहीं किया गया है। अतः प्रस्तावित मेसर्स सीता एनर्जी

खम्हारडीह मुंगेली चालू हो, कौन–कौन चाहते है लगे प्लांट, हम लोग सब विरोध में है और आसपास के सभी लोग विरोध करते है। विरोध करते है, नहीं खुलने देंगे प्लांट।

40. **श्री प्रेमलाल पाण्डेय, ग्राम पंचायत सल्फा भखुरीडीह सरपंच** :– बड़ा दुख की बात है यहां पर जन सुनवाई का कैम्प लगा है। मेरे को सरपंच होते हुए जानकारी नहीं मिला है। अभी 10 बजे कोटवार के माध्यम से बोलते है महोदय खम्हारडीह जाना है। बड़ा दुखद की बात है। कोई सूचना देते अधिकारी, कर्मचारी लेटर जारी करते या जो ठेकेदार पॉवर प्लांट लगा रहा है। बड़ा दुख की बात है, अभी प्लांट खुला है यहां पर तीन–तीन ठोक प्लांट है, मेरे यहां आश्रित ग्राम में दो महीने हो गये है लाईट का व्यवस्था नहीं हैं। हतना बुरा हाल है भखुरीडीह का जेई साहब को फोन करते है, 50 ठोक लेटर जारी हो गया है। ये बीच में मैं एसडीएम साहब से भी अवगत करा था। हमर भखुरीडीह में लाईट का बहुत परेशानी है बीच में भेजे थे, रिफलिंग हुआ था, ट्रांसफारमर फिर जल गया है। एक भी लाईट नहीं है पूरा अंधेरा छाया है भखुरीडीह मे ये तो हाल है जब भी फोन करते है तो सरपंच का अस्तत्व कौन है सरपंच कौन होता है, कोई भी सरपंच का बात मानता नहीं है। कुछ भी समस्या होता है सरपंच के पास जाते है। कुछ सुनवाई ही नहीं हो रहा है। रोज कपंनी खुल रहा है गांव वाले को सहमति है तो हमको कोई आपत्ति नहीं है। हमारे गांव का रोड़ का इतना दुर्दशा है कि कई बार एक्सीडेंट हो चुके है।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली तथा सहायक अभियंता द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ, तब अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली द्वारा लोक सुनवाई के दौरान जन समुदाय द्वारा उठाये गये मुद्दो का उत्तर उद्योग प्रतिनिधि **श्री पंकज अग्रवाल** मैं सीता एनर्जी प्रा0 लि0 में मैनेजमेंट में कार्यरत हूॅ। आप सभी आये जन दर्शन में आए आप सभी को धन्यवाद देता हूॅ। मैने आपके बहुत सारे समस्याएं सुने है। मूलभूत सुविधाएं जो हमने सुने जैसे कि रोड़ की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था उसके लिए हम स्वयं कार्यरत् है। समय–समय पर संस्थान द्वारा लेटर जारी किया जाता है, रिकवेस्ट किया जाता है सर लोगों के तरफ से भी वहां से हम लोगों को एक दो लेटर जारी होते है। लेकिन अभी तक समाधान नहीं निकल पाया है। जल्द ही समय में कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है। जल्द ही इसमें कार्यवाही की जायेगी। जो भी समस्याएं

है उसको भी धीरे–धीरे करके जैसे रोड़ है रोड़ की रिपेयरिंग की समस्या है। रिपेयरिंग हर बारिश में करवाते है,आप लोग इतने समय से रह रहे है आप लोगों को भी पता है। हम लोग के द्वारा ऐसा कोई सहयोग का कार्य नहीं किया गया हो तो। इसके अलावा जितना भी समस्याएं है उनका समाधान हो सकता है उसके लिए कंपनी सीएसआर से जितनी भी राशि उत्पन्न होती है। ग्राम–खम्हारडीह, रामबोड, अण्ड़ा, ककेड़ी, टिकैतपेण्ड्री ये सभी जगह के लिए खर्च करेगी। इसके लिए मैं आपको आश्वासन देता हूॅ और आप सभी आए उसके लिए आपको धन्यवाद देता हूॅ। आगे भी आप सभी का सहयोग किया जायेगा।

उद्योग के पर्यावरण सलाहकार श्री राम सुशील मिश्रा, परिवेश इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग सर्विसेज, लखनऊ (उ.प्र.) :– प्रचार प्रसार प्रॉपर तरीके से नहीं किया गया। उस संबंध में बताना चाहूंगा कि पर्यावरणीय ईआईए नोटिफिकेशन 2006 है। उसके अनुसार ये परियोजना की रिपोर्ट है। सरकारी विभाग पॉल्युशन डिपार्ट में जमा किया जाता है। कलेक्टर साहब के आदेशानुसार या नियमानुसार एक महीने अनुसार पेपर में पब्लिकेशन दी जाती है। जो कि 09 अगस्त 2024 को नई दुनिया व फायनेंशियल एक्सप्रेस में दी जा चुकी है। पर्यावरण ईआईए रिपोर्ट है एक महीने पहले अपलोड कर दी गई है। ताकि लोगों को सही तरीके से पूरे तरीके से पढ़ सके। अपनी आपत्ति, सुझाव जाहिर कर सकें। साथ ही यह पर्यावरण मूल्यांकन रिपोर्ट है। नई दिल्ली भारत सरकार के द्वारा अपूर्ड एक्सपर्ट के द्वारा बनाई जाती है। इसमें 10 कि.मी. की परिधि का अध्ययन किया जाता है। इसमें विभिन्न प्रकार की जो दूरिया ली जाती है वो गूगल डिसटेंश से ली जाती है। जो डिसटेंश दशाई गई है वो बिल्कुल करेक्ट है। दूसरी बात योगेश साहू जी का कहना था कि इसमें टोप्पो शीट नहीं है इसका आप हमारे पास ईआईए रिपोर्ट का अवलोकन करें, तो जो हमारे पास है। चेपटर 2 में ईआईए रिपोर्ट की संख्या के साथ 10 कि.मी. में ईआईए रिपोर्ट संख्या दशाई गई है, जिसका अवलोकन आप कर सकते है। साथ ही मुख्य बिन्दुओं में से रोजगार संबंध में बारे में बताना चाहूंगा कि कंपनी प्रबंधन के द्वारा 150 लोगों को डायरेक्ट रोजगार और 200 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार का प्रावधान इसमें है। उस प्रावधान के तहत् स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी। उनकी योग्यता और उनके अनुभव के आधार पर इसके अलावा प्रचार–प्रसार नहीं किया गया। इसके संबंध में आपको बता चुका हूॅ कि प्रशासन का इसमे इन्वायरमेंट रहता है उसके अनुसार 1 महीने पहले पब्लिककेशन की जा चुकी है। इसके बावजूद संदर्भित ग्राम पंचायतों में ईआईए रिपोर्ट समरी संदर्भित अधिकारी को दी गई थी। जिसकी स्वतः सभी ग्राम पंचायतो और लोगों को हो गई होगी। इसके अलावा पर्यावरण प्रदूषण के संदर्भ में बहुत सारे लोगों का कथन था। जिसके संबंध में मैं कहना चाहूंगा कि भारत सरकार के

अनुसार आज कोई भी फैक्ट्री उद्योग लगता है। उस फैक्ट्री, उद्योग में ऑनलाईन मॉनिटरिंग सिस्टम लगा रहता है। जिस मॉनिटरिंग सिस्टम में उद्योग के द्वारा हो रहे उत्सर्जन की जानकारी प्रदूषण विभाग को समय–समय पर जाती रहती है। उसी कार्यक्रम के तहत् मेरे कंपनी द्वारा प्रॉपर इंतेजाम किये जायेंगे। बहुत से अथितियों का कहना था कि कुसुम और वासुदेव के द्वारा पर्यावरण स्वीकृति को जो जन सुनवाई है। वो सीता एनर्जी प्रा. लि. के संदर्भ में है। मेरा निवेदन आपसे यही है, इस प्लांट से संबंधित जितनी समस्या है उसके लिए विचार विमर्श किया जाये। उस प्लांट की समस्या और उनके जनप्रतिनिध होंगे ही नहीं। उसका निराकरण सीता के द्वारा संभव नहीं हो पायेगा। सीएसआर के तहत् कंपनी द्वारा 1 से 1.5 प्रतिशत परियोजना लागत पर खर्चा किया जाता है। जो सरकार से आदेशानुसार सहयोग सरकार के निर्देशन के अनुसार कंपनी प्रबंधन द्वारा साथ ही पर्यावरण प्रबंधन के द्वारा पर्यावरण को ठीक करने के लिए वायु प्रदूषण के विभिन्न इक्यूपमेंट बनाये जायेंगे। जो कि हर इफीसेंसी के होंगे। किसी भी प्रकार का डस्ट का उत्सर्जन नहीं होगा। प्रदूषण बोर्ड के द्वारा निर्धारित मानको के अनुसार द्वारा उत्सर्जन ही परमीशन होगी। इसी कड़ी में वॉटर पाल्यूशन के बारे में बताना चाहूंगा कि इनका वॉटर मनियारी नदी से लिया जायेगा। पानी अपशिष्ट जल के बाद अपशिष्ट जल को ट्रीटमेंट प्लांट में ट्रीट किया जायेगा। उस ट्रीटमेंट प्लांट के जल को उपचारित जल को उस परियोजना में उपयोग किया जायेगा। किसी भी प्रकार का जल का निस्त्राव किसी भी किसान की जमीन पर या किसी बाहरी जगह पर नहीं किया जायेगा। जिसके कारण वॉटर पाल्युशन या जल हीन की गुणवत्ता पे खराबी होने की संभावना नहीं है। यहां पर जीव–जंतु की कंपनी प्रबंधन के द्वारा इस रोड़ में ये भी डिकलियर किया गया है कि कंपनी प्रबंधन के द्वारा 34.16 प्रतिशत में ग्रीन बेल्ट का निर्माण किया जायेगा। आप अभी भी जा के देख सकते है कंपनी प्रबंधन के द्वारा ग्रीन बेल्ट का निर्माण कार्य शुरू किया जा चुका है। उसको मैन्टेंन भी किया जा रहा है। बाकी स्थानीय समस्याओं की बात है कि कंपनी प्रबंधन द्वारा इसको निश्चित रूप से करायेगी, और उसको निशिचित रूप से पालना करेगी। इसी कार्यक्रम में ध्वनि प्रदूषण की बात है या किसी तरीके से आप स्वास्थ्य से लेकर संबंधित इशू की बात है। सभी रिपोर्ट में समावेश किया है। जिसकी पालना के लिए और ये पर्यावरण की स्वीकृति है ये सारे मुद्दे पर्यावरण मंत्रालय को सम्मिलित किये जायेंगे। प्रस्तावक के द्वारा सुनिशिचित की जायेगी।

तत् पश्चात् लगभग 1:30 बजे अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, मुंगेली जिला–मुंगेली द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 13 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 86 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 200–250 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 41 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

सहायक अभियंता,
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अपर कलेक्टर एवं
अपर जिला दण्डाधिकारी,
जिला–मुंगेली (छ.ग.)